दुनिया भर से आए 55 लाख विदेशी पर्यटक, बन गया रिकॉर्ड

विनोद तिवारी

प्रयागराज। दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर प्रयागराज ने पहली बार ऐतिहासिक रिकॉर्ड के साथ मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। टूरिज्म के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार, महाकुंभ के 45 दिनों में ही तकरीबन 55 लाख विदेशी पर्यटक आए हैं। पिछले साल करीब 5,000 विदेशी ही आए थे।

इस बार के महाकुंभ कई मायनों में ऐतिहासिक रहा है। 73 देशों के राजनयिक और 116 देशों के विदेशी श्रद्धालु संगम स्नान करने आए। इनमें सर्वाधिक नेपाल, अमेरिका, ब्रिटेन, श्रीलंका, कनाडा और बांग्लादेश से आए। इसके साथ रूस, जापान, जर्मनी, फ्रांस, ब्राजील, मलयेशिया, न्यूजीलैंड, इटली, कनाडा और थाइलैंड सहित 100 से अधिक देशों से भी लोग पहुंचे।

प्रदेश में आए 65 करोड़ पर्यटक इनमें 23 लाख विदेशी

प्रदेश में बीते वर्ष कुल 65 करोड़ पर्यटक आए। इनमें 23 लाख विदेशी भी शामिल हैं। सर्वाधिक 14.65 लाख पर्यटक आगरा में आए, जबकी 3.09 लाख पर्यटकों के साथ वाराणसी दूसरे पायदान पर रहा। मथुरा में 1.36 लाख, कुशीनगर में 2.51 लाख, अयोध्या में 26,048 और प्रयागराज में 4,790 विदेशी पर्यटक आए। वर्ष 2023 में यूपी आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 16 लाख रही थी, जबकि 2022 में साढ़े छह लाख लोग यहां आए थे।

इन लोगों ने प्रयाग के साथ वाराणसी, अयोध्या, चित्रकूट, मथुरा और गोरखपुर भी देखा। विदेशियों के यहां आने से होटल, गाइड, ट्रांसपोर्ट, हस्तशिल्प और स्थानीय कारोबार में लाभ मिला है। केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन कहते हैं, महाकुंभ में आए करोड़ों लोगों के खर्च का असर चौथी तिमाही की जीडीपी में दिखेगा।

वहीं, केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन-दो योजना में नैमिषारण्य और प्रयागराज को चुना गया है। इससे भी पर्यटन को नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है।

कुंभ में आए थे 10.30 लाख विदेशी : क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के मुताबिक, वर्ष 2019 के कुंभ में 10.30 लाख विदेशी पर्यटक आए थे। तब यहां कुल 23,94,70,000 श्रद्धालु आए थे। इस बार करीब 67 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई है। इसमें कुल कितने विदेशी हैं, इसका आंकड़ा मार्च अंत तक स्पष्ट हो सकेगा।

टेंट सिटी से पर्यटन निगम ने अर्जित किए 100 करोड़

प्रयागराज। महाकुंभ के वृहद आयोजन में पर्यटन निगम ने जहां एक ओर जनमानस के अवस्थापन एवं आधुनिक आश्रय स्थल विकसित कर संचालित कराए, वहीं दूसरी ओर अवस्थापन एवं खान-पान के क्षेत्र में नवीन अवधारणा को प्रबल करते हुए निजी सहभागिता से टेंट सिटी का संचालन हुआ। इसमें टेंट सिटी से पर्यटन निगम ने 100 करोड़ अर्जित किए। वहीं प्राइवेट फर्मों को 73.45 करोड़ की आमदनी होने का अनुमान है।

पर्यटन निगम ने 2100 कॉटेज और टेंट कालोनी में 110 कॉटेज बनाए थे। इसकी ऑनलाइन बुकिंग देश- विदेश के लोगों को नहीं मिल पा रही थी। आधुनिक साज-सज्जा के साथ इसे स्थापित किया गया था। महाकुंभ के दौरान हुई बुकिंग से पर्यटन निगम ने 100 करोड़ रुपये अर्जित किए हैं। आकाश से संगम को देखने के लिए भी होड़ मची हुई थी। इससे पवन हंस ने 50 लाख से अधिक की धनराशि अर्जित की है। पर्यटन विभाग ने पर्यटकों के मनोरंजन के लिए भिन्न - भिन्न प्रकार की साहसिक एवं जल क्रीड़ा भी संचालित कराई। 500 कलाकारों को बुलाकर श्रद्धालुओं का मनोरंजन भी कराया। इस पर करोड़ों रुपये खर्च हुए।

इन्हें मिला रोजगार : महाकुंभ के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं, श्रमिकों, कलाकारों , कुक, वेटर, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, कारपेंटर, पुरोहितों आदि को रोजगार के अवसर भी मुहैया कराए गए। इनकी संख्या करीब दो हजार के आसपास बताई जाती है। ब्यूरो

आवासीय एवं खान-पान से कमाए करोड़ों

पर्यटन निगम द्वारा संचालित निजी विकासकर्ता फर्मों एवं अन्य से करोड़ों की धनराशि अर्जित की गई। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पर्यटक आवास गृह, त्रिवेणी दर्शन ने आवासीय एवं खान-पान से एक- एक करोड़ कमाए। परेड ग्राउंड टेंट कॉलोनी ने 1.25 करोड़, अरैल टेंट कालोनी ने नब्बे लाख, मैसर्स लल्लू जी एंड संस लखनऊ ने तीन करोड़, आगमन इंडिया ट्रेवेल एंड लिविंग प्राइवेट लिमिटेड ने दस करोड़, अदवंता प्राइवेट, लिमिटेड ने चार करोड़, कुंभ विलेज प्रयागराज ने पांच करोड़, आरडी एडवरटाइजिंग प्रा. लिमिटेड ने चार करोड़, इवा इवेंट प्रा. लि. एंड गंजेस व्यू स्टेज ने दो करोड़ अर्जित किया है। ब्यूरो